Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J–6308

PAPER–III
MASS COMMUNICATION AND JOURNALISM

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

MASS COMMUNICATION AND JOURNALISM

जनसंचार एवं पत्रकारिता

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

For many years, communication scholars have grappled with the problem of how to characterize communication theory as a field. This has been a challenge for theorists, teachers and students because of the number of theories and the complexity of their philosophical and practical differences. In a recent landmark article, Robert T. Craig proposes a vision for communication theory that takes a huge step toward unifying our otherwise disparate field.

Craig argues that our field will never be united by a unified theory or theories. Theories will always reflect the diversity of practical ideas about communication in ordinary life, so we will forever be faced with a multiplicity of approaches. Our goal cannot and should not be to seek a standard model. If this impossible state of affairs were to happen, communication would become "a static field, a dead field".

In stead, we must seek a different kind of coherence based on (1) a common understanding of the similarities and differences, or tension points, among theories and (2) a committment to manage these tensions through dialogues. Craig writes, "The goal should not be a state in which we have nothing to argue about, but one in which we better understand that we all have something very important to argue about". Here, then, we have two requirements for communication theory as a field.

The first requirement is a common understanding of similarities and differences among theories. More than a list of similarities and differences, we must have a common idea of where and how theories coalesce and clash. We need a metamodel. The term 'meta' means 'above' so a metamodel is a 'model of models'.

The second requirement for coherence in the field is a new definition of theory. Rather than viewing a theory as an explanation of a process, it should be seen as a statement or argument in favour of a particular approach. In other words, theories are a form discourse. More precisely, theories are a discourse about discourse or metadiscourse

As a student of communication theory. You will find these two concepts very important because they help you sort out what this enterprise is all about. If you can find a useful metamodel, you will be able to make connections among theories, and if you see communication theory as metadiscourse, you will begin to understand the value of multiple perspectives in the field. In other words, communication theories will look less like a bunch of rocks laid out on tables in a geology laboratory and more like a dynamic computer model of earth formation in a course on geological history.

संचार के विद्वान वर्षों से संचार को विषय के रूप में स्थापित करने की समस्या से जूझ रहे हैं। सिद्धान्तों के विशेषज्ञों, अध्यापकों व विद्यार्थियों के लिए यह एक चुनौती रही है, क्योंकि सिद्धान्त अनेक हैं व उनके दार्शनिक व व्यावसायिक अन्तर जटिल हैं। राबर्ट टी. क्रेग ने हाल ही में एक ऐतिहासिक लेख में एक ऐसी दृष्टि प्रस्तुत की है जो कि हमारे बिखरे हुए विषय को एकजुट करने की तरफ एक बड़ा कदम है।

क्रेग की मान्यता है कि हमारे विषय में कभी भी सिद्धान्तों की एकरूपता नहीं होगी। साधारण जीवन में संचार के विचारों की व्यावहारिक विभिन्नता सिद्धान्तों में सदैव ही झलकेगी। इस प्रकार से विधियों की अनेकता हमारे सम्मुख सदैव ही रहेगी। हमारा उद्देश्य एक प्रामाणिक मॉडल की खोज नहीं होना चाहिए और न ही हो सकता है। मानों यह अंसभव कार्य हो जाए तो संचार एक 'जड़ व मृत' विषय हो जाएगा।

बल्कि हमें ऐसी सामंजस्यता ढूंढनी चाहिए जिसका आधार (1) सिद्धान्तों में तनाव बिन्दुओं व समानताओं-असमानताओं की समान समझ (2) चर्चाओं से इन तनावों को समाप्त करने के प्रति कटिबद्धता हो।

क्रेग लिखते हैं, उद्देश्य यह नहीं होना चाहिए कि ऐसी स्थिति बने जहां तर्क करने के लिए कुछ हो ही नहीं परन्तु स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि सभी को यह समझ हो कि सब के पास चर्चा करने की लिए कुछ न कुछ हो। इस तरह, संचार को विषय की तरह स्थापित करने के लिए दो आवश्यकताएं हैं।

पहली जरूरत है कि सिद्धान्तों की समानताओं व असमानताओं पर आम सहमति हो। समानताओं व असमानताओं की सूची बनाने से भी अधिक आवश्यक है कि सिद्धान्तों की एकरूपता व विरोधों के विषय में समभाव हो। 'अधि' शब्द का भावार्थ श्रेष्ठ या बड़ा होने से है इसलिए अधिमाडल 'माडलों का माडल' है।

विषय के बारे में आम राय होने की दूसरी आवश्यकता है सिद्धान्त की नई परिभाषा की। सिद्धान्त को केवल प्रक्रिया की व्याख्या मात्र मानने के बजाए इसे एक विचार के पक्ष में कथन या तर्क के रूप में लेना चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो सिद्धान्त कथनों के ही विभिन्न रूप हैं। और भी स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि सिद्धान्त कथनों के बारे में कथन अर्थात 'अधिकथन' है।

यदि आपको एक उपयोगी अधिप्रतिरूप (मेटामाडल) मिल जाए तो आप विभिन्न सिद्धान्तों में सम्बन्ध स्थापित कर पाएंगें और यदि आप संचार सिद्धान्त को अधिकथन के रूप में समझें तो आपको विषय में विचारों की अनेकता के महत्व का आभास हो जाएगा। यह भी कह सकते हैं कि, संचार के सिद्धान्त भूविज्ञान की प्रयोगशाला में अभ्यास के लिए रखी चट्टानें न दिख कर, भूविज्ञान के इतिहास में भूमि निर्माण के गतिमान कम्प्यूटर मॉडल की तरह दिखेंगे।

1. Why scholars find it difficult to characterize communication theory as a field of study ?

अध्ययन के एक क्षेत्र के रूप में संचार सिद्धान्तों के लक्षण को स्पष्ट करने में विद्वानों को कठिनाई क्यों होती है?

2. Why it is necessary to find a coherence approach to study communication theories ?

संचार सिद्धान्तों के अध्ययन के लिए एक संसक्त उपागम को पता लगाने की क्यों आवश्यकता होती है?

3. What are the two requirements to understand communication theories ?
संचार सिद्धान्तों को समझने की दो आवश्यकताएं क्या है?

4. In what way, metamodels help to connect various communication theories ?
विभिन्न संचार सिद्धान्तों को जोड़ने में अधिप्रतिरूप किस प्रकार मदद करेगा?

5. Why do you think communication is a dynamic process ?
संचार एक गतिशील प्रक्रिया है। इसके संबंध में आप क्या सोचते हैं?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Every communication begins and ends in self-communication. How ?
हर संचार का प्रारम्भ और अन्त स्व-संचार में होता है। कैसे ?

7. List any three advantages of the new media.
नवीन मीडिया की किन्हीं तीन श्रेष्ठताओं को लिखें।

8. What are the new careers available in mass communication with the growth of new media ?

जन संचार के क्षेत्र में नवीन मीडिया के विकास से किस प्रकार के रोजगार उपलब्ध हो रहे हैं?

9. What are the major objectives of the Right to Information Act-2005 ?

सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 के मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

10. Justify the need of a 'readers editor'.
'पाठकों के सम्पादक' की आवश्यकता पर प्रकाश डालें।

11. Differentiate between documentary and a docu-drama.
डाकुमेन्ट्री व डाकुड्रामा में अन्तर स्पष्ट करें।

12. What is the alternate of dominant paradigm ?
'प्रमुख प्रतिमान' का विकल्प क्या है?

13. What is the major demerit of impact study ?
प्रभाव अध्ययन का मुख्य दोष क्या है?

14. What do you mean by content convergence ?
विषयवस्तु अभिसरण से क्या अभिप्राय है?

15. Explain any one rule of visual grammar.
दृश्य व्याकरण के किसी एक नियम की व्याख्या करें।

16. Explain the process of uplinking and downlinking.
'अपलिंकिंग' व 'डाउनलिंकिंग' की प्रक्रिया को लिखें।

17. Differentiate between propaganda and advertising.
प्रोपागेण्डा व विज्ञापन में अन्तर बताएं।

18. What is the advantage of flexography.
फ्लेक्सोग्राफी की क्या विशेषता है?

19. What is Page-3 journalism ?
'पेज-3' किस प्रकार की पत्रकारिता है?

20. What is a variable ?

'वेरिबल' से क्या अभिप्राय है?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Describe the process of event management.

समारोह प्रबन्धन (इवैन्ट मैनेजमेन्ट) की प्रक्रिया का वर्णन करें।

22. Explain the circumstances leading to the marginilisation of the editor in newspapers.

समाचार पत्रों में सम्पादक को हाशिए पर लाने वाली परिस्थितियों की चर्चा करें।

23. Explain section 295 A of IPC with reference to media coverage.

भारतीय दण्ड संहिता की धारा 295 A की व्याख्या मीडिया कवरेज के संदर्भ में करें।

24. Discuss the merits and demerits of qualitative and quantitative designs of media research.

मीडिया शोध के गुणात्मक व संख्यात्मक प्रारूपों के गुण-दोष का वर्णन करें।

25. Examine the potential of Internet Advertising.

इंटरनेट विज्ञापन की संभावनाओं की चर्चा करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. While critically examing the content of television channels in India, explain how television can be used to supplement the national efforts to become a developed country.

भारत में टेलीविज़न वाहिनियों की विषयवस्तु की समीक्षा करते हुए चर्चा करें कि भारत को विकसित बनाने के राष्ट्रीय प्रयासों में टेलीविजन किस प्रकार सहायक हो सकता है?

OR / अथवा

How do you visualise the impact of media convergence on the existing media structures and practices ? Explain with examples.

मीडिया के अभिसरण (कन्वर्जेन्स) से वर्त्तमान मीडिया की रचनाओं व आचरणों पर प्रभाव के विषय में आपकी क्या दृष्टि है? उदाहरणों के साथ व्याख्या करें।

OR / अथवा

Explain in detail the significant developments in the regional media in India.

भारत में क्षेत्रीय मीडिया में महत्वपूर्ण विकास की विस्तृत चर्चा करें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....